interwoven with the festivities and celebrations of the tribe. Santals have 18 forms of dances and 22 ragas. Each dance and raga is different from the other. In some performances only male performers participate, while in others both the sexes participate. Santal music and dances are followed as per season.

Sohrai/Langde/Durumajak: This dance is performed during Sohrai, a five-day long festival, through the villages. In the beginning it is performed to the tune of Sohrai of song, in the middle of the village it is called Langde and on the other side of the village Durumajak is performed.

Dod: This dance is performed in remembrance of the first human couple and the first marriage of Pilchu couple.

Baha: This festival marks the New Year and also used as an opportunity to thank the creator of the earth.

Troupe

John Soren: Leader

Babita Murm	:	Singer	Sumitra Soren	:	Dancer
Leena Sujata Murmu	:	Dancer	Preety N Soren	:	Dancer
Minu C Tudu	:	Dancer	Silwanti Hansdak	:	Dancer
Elbina Soren	:	Dancer	Basanti Hansdak	:	Dancer
Teresa Soren	:	Dancer	Sakar Hembrom	:	Drummer
Mohan Marandi	:	Drummer	Santosh Marandi	:	Drummer
John Murmu	:	Dancer	Som Tudu	:	Musician

SAHITYA AKADEMI

Rabindra Bhavan, 35, Ferozeshah Road, New Delhi-110001

Website: http://sahitya-akademi.gov.in/sahitya-akademi/index.jsp

भारत की सम्मोहक अभिव्यक्तियाँ

संताली आदिवासी नृत्य

बादोली संताली कल्चरल टीम की प्रस्तुति

25 फ़रवरी 2017

संताल देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले आदिवासी समूहों में से है, जिसका रोचक इतिहास है। अपने धर्म, मिथकों, अनुष्ठानों, प्राचीन रीति–रिवाजों के संरक्षण और मधुर संताली भाषा के कारण यह समुदाय सबको आकर्षित करता है। इस समुदाय द्वारा प्राचीन ज्ञान को बाँटने की गुरु–शिष्य परंपरा को आज भी क़ायम रखा

गया है तथा इनके धर्म के बारे में इस उपमहाद्वीप में सबसे ज़्यादा अध्ययन किया गया है। उनके उत्सव, नृत्य, गान और कठपुतली बहुत ही लोकप्रिय हैं।

संताल संगीत और नृत्य : संताल नृत्य और संगीत आदिवासी उत्सवों और समारोहों के साथ गझिनता से जुड़े हुए हैं। संताल समुदाय की 18 नृत्य शैलियाँ और 22 राग हैं।

प्रत्येक नृत्य और राग दूसरे से भिन्न है। कुछ प्रस्तुतियों में केवल पुरुषों की भागीदारी होती है, जबकि दूसरी प्रस्तुतियों में स्त्री–पुरुष दोनों की। संताल संगीत और नृत्य मौसम का अनुसरण करते हैं।

सोहराय / लांग्दे / धुरुमजाक : यह नृत्य सोहराय नामक पाँच–दिवसीय उत्सव के दौरान गाँव–गाँव में प्रस्तुत किया जाता है। आरंभ में सोहराय धुन के साथ गीत की प्रस्तुति, गाँव के मध्य में लांग्दे और गाँव की दूसरी तरफ़ धुरुमजाक प्रस्तुति की जाती है।

दोद् : यह नृत्य मानव जाति के प्रथम युगल पिल्चू युगल के विवाह को याद करते हुए प्रस्तुत किया जाता है।

बाहा : यह गीत और नृत्य नए साल के अवसर पर धरती के सिरजनहार के प्रति आभार प्रकट करते हुए प्रस्तुत किया जाता है।

बादोली संताली कल्चरल टीम के सदस्य

जॉन सोरेन टीम-प्रमुख

बबीता मुर्मु	:	गायिका	सुमित्रा सोरेन	:	नर्त्तकी
लीना सुजाता मुर्मु	:	नर्त्तकी	प्रीति एन. सोरेन	:	नर्त्तकी
मीनू सी. टुडु	:	नर्त्तकी	शीलवंती हांसदाक्	:	नर्त्तकी
एल्विना सोरेन	:	नर्त्तकी	बसंती हांसदाक्	:	नर्त्तकी
टेरेसा सोरेन	:	नर्त्तकी	सकर हेंब्रम	:	ड्रमवादक
मोहन मरांडी	:	ड्रमवादक	संतोष मरांडी	:	ड्रमवादक
जॉन मुर्मु	:	नर्त्तक	सोम टुडु	:	संगीतकार

साहित्य अकादेमी

रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली 110001

वेबसाइट : http://sahitya-akademi.gov.in/sahitya-akademi/index.jsp

Enchanting Expressions of India

Santali Tribal Dance

by

Badoli Santali Cultural Team

February 25, 2017

Santals, one of the most populous tribes of the country have a fascinating history. Their religion, myths, rituals, preservation of age-old customs and mellifluous Santali language, make this tribe one of the most interesting tribes in the country. Santals still maintain the master-disciple tradition to pass on the knowledge

from the past and their religion is one of the most studied among the tribes of the sub-continent. Their festivals, dances, songs and puppetry are very famous.

Santal Music and Dance: Santal dances and music are inextricably